RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका
E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 अंक 9 अगस्त 2019 विक्रमी सं. 2076 मूल्य : एक रुपया

परीक्षा परिणाम विद्यार्थी की उत्कृष्टता का पैमाना नहीं हो सकता

-श्री शिवकुमार

"परीक्षा परिणाम किसी भी विद्यार्थी की सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। विद्यार्थी को अपने जीवन में अनेक शैक्षिक, सामाजिक व व्यावसायिक परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। जो विद्यार्थी इन सबमें सफल होता है, वही उत्कृष्ट बनता है। विद्यार्थियों को अपनी खूबियों, कमियों, मौकों व जीवन में आने वाले खतरों को ध्यान में रखते हुए मेहनत करनी चाहिए। ये विचार श्री शिवकुमार जी (राष्ट्रीय मंत्री) ने हरियाणा प्रांत में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह उत्कृष्ट-2019 के कार्यक्रम में रखे। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय पूर्व छात्र परिषद् द्वारा आयोजित किया गया था।

हरियाणा प्रांत, संगठन मंत्री श्री रविकुमार जी ने इस कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि सम्मान मिलने पर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उनमें आगे बढ़ने का हौसला बढ़ता है। इसी कार्यक्रम में जैब्रा टेक्नोलॉजी, यू.के. के निदेशक श्री पंकज गोस्वामी ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों को अपना भविष्य बनाने के लिए जोखिम लेना चाहिए। उन्हें इस प्रकार के मिलने वाले मौकों का उपयोग करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।" छात्रों को सम्मानित करते हुए उन्हें हमेशा अनुशासन में रहने का आह्वान किया।

डॉ. पंकज शर्मा (प्रांत प्रमुख, पूर्वछात्र परिषद्) ने बताया कि परिषद् हर वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करती है।

अध्यापक की गुणवत्ता समाज, प्रशासन, व्यक्तिगत रुचि, प्रशिक्षण एवं शोध पर निर्भर करती है

- श्री अवनीश भटनागर

विद्या भारती हरियाणा प्रांत ने अपने अध्यापकों की गुणवत्ता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन संस्कृति भवन, गीता निकेतन परिसर में किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री अवनीश भटनागर (राष्ट्रीय मंत्री) ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि अध्यापक की गुणवत्ता समाज की स्थिति, प्रशासन, व्यक्तिगत रुचि, प्रशिक्षण व शोध पर निर्भर करती है। अच्छा शिक्षक वह होता है जो निरंतर अपनी गुणवत्ता बढ़ाता रहता है। समाज शिक्षक पर विश्वास कर अपने बच्चों को उनके पास भेजता है। अध्यापकों को भी उसी विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। अध्यापक को निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है। प्रशासन व प्रबंधन को उनके लिए इस तरह की व्यवस्थाएँ करनी चाहिए। हम सब मिलकर ही समाज को एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षक दे सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. रामचन्द्र (प्रोफेसर संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने कहा कि एक चरित्रवान शिक्षक ही संस्कारवान शिक्षा दे सकता है। अध्यापक को निरंतर शोध व प्रशिक्षण से गुजरते रहना चाहिए। ऐसा करने से उसकी शिक्षण पद्धति में निखार आता है। डॉ. अनामिका ने सरकारी व निजी विद्यालयों के अंतर व निजी विद्यालयों के शिक्षकों पर रहने वाले दबाव को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. नीरज मित्तल ने कहा कि भारत में स्कूली शिक्षा अन्य देशों से बेहतर है। अगर हम उच्चतर शिक्षा में भी सुधार ला सकें तो भारत देश पूरी दुनियाँ में सिरमौर बन सकता है। डॉ. विवेक ललित ने कहा कि अच्छा शिक्षक वही हो सकता है जो अपने मन से इस कार्य में आता है। मजबूरी में बना अध्यापक कभी विद्यार्थियों के साथ न्याय नहीं कर सकता। इनके अलावा क्रांति चावला, विकास गाबा, अर्चना शर्मा, रंजन शर्मा, कुसुम कौशल, विवेक शर्मा एवं महावीर भारद्वाज ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

राष्ट्रभक्ति गीत गाते हुए बनाए क्रांतिकारियों के चित्र

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में श्री व्यास पूजा (गुरुपूर्णिमा) के अवसर पर "हम करें राष्ट्र आराधन" कार्यक्रम के अंतर्गत सुप्रसिद्ध चित्रकार एवं गायक श्री सुशील व्यास जी (विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के संगीत प्रमुख) ने राष्ट्रभक्ति गीतों को गाते हुए अपने वीर क्रांतिकारियों के चित्रों को कुछ ही मिनटों में बनाते हुए सभी दर्शकों को आश्चर्य चकित कर दिया। इस कार्यक्रम में श्री व्यास जी ने गुरुवंदना प्रस्तुत की एवं इसके बाद उन्होंने- 'वीर शिवा के वंशज हम' गीत पर महाराजा छत्रपति शिवाजी एवं महाराणा प्रताप के चित्र तथा बुंदेली लोकगीत 'भारत देश हमारो रे भैया', झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे के चित्र, 'देश है पुकारता-पुकारती माँ भारती' गीत पर, स्वामी विवेकानंद एवं भगत सिंह के चित्र, 'तन-मन-धन जीवन अर्पण करके भारत श्रेष्ठ बनाएंगे', 'रंग दे वसंती चोला' तथा 'भारत हमारी माँ है, माता का रूप प्यारा' गीत पर भारत माता का चित्र बनाकर सभी को दाँतों तले अंगुली दबाने पर विवश कर दिया। भारत माता का संपूर्ण चित्र बनने पर 300 दीपों से आरती की गई। कार्यक्रम में श्री व्यास जी के साथ वाद्ययंत्रों पर श्री अनुपम शर्मा, युवराज राजावत, राजदीप यादव, अरविन्द वासुदेव व कृष्णांश भार्गव ने संगत किया।

प्रांतीय प्रारंभिक शिक्षा-उन्नयन कार्यशाला

भारतीय शिक्षा समिति, निरालानगर (लखनऊ) में प्रांत स्तर पर प्रारंभिक शिक्षा का उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला प्रांत निरीक्षक श्री राजेन्द्र जी के संरक्षण में संपन्न हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन में मुख्य वक्ता के रूप में मान. यतीन्द्र जी शर्मा ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा में जिन्होंने अपना जीवन लगा दिया उनके बारे में अध्ययन कर प्रेरणा लें। उन्होंने आगे कहा कि बालक जिस आयु व स्तर का हो, शिक्षक उसी प्रकार विषय को प्रस्तुत कर पढ़ाएँ। बालक पूरे राष्ट्र का है, इस भाव से सावधानीपूर्वक भाषा का प्रयोग करते हुए शिक्षण करें। विद्या भारती ने श्रद्धा व आदरभाव पैदा करने के लिए शिक्षक के स्थान पर आचार्य शब्द का प्रयोग अपनाया है। हमारे आचार्य दुनियाँ की खुली आँखों से देखें व तदनुरूप 21वीं सदी के लिए बालक का सर्वांगीण विकास करें। आज परीक्षा आधारित शिक्षा व्यवस्था लागू है। इससे बाहर निकलकर सर्वोन्मुखी 21वीं सदी के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था बनाना हितकर होगा।

कार्यशाला में प्रारंभिक शिक्षा की दो-दो माह की कार्ययोजना यथा शिशु विकास, पंचकोषों का विकास, दिनचर्या, प्राणायाम, आचार्य विकास, प्रशिक्षण आदि विद्या भारती के वैशिष्टयों के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था बालक के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर बनायी गई। जिला प्रमुख अपने जिले के विद्यालयों के प्रमुख के साथ बैठकर उसे लागू करेंगे।

छात्र संसद कार्यशाला का आयोजन

विद्या भारती मेरठ प्रांत के 36 चयनित विद्यालयों के निर्धारित भैया/बहिन का अभ्यास वर्ग 11 से 14 जुलाई 2019 को 'राधेश्याम मोरारका सरस्वती विद्या मंदिर' शताब्दी नगर, मेरठ में सम्पन्न हुआ। इसमें 37 छात्रसंसद प्रभारी आचार्य बन्धु/भगिनी के संरक्षण में 144 भैया/बहिनों की उपस्थिति रही। इनमें छात्रसंसद अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, सेनापति व नेता प्रतिपक्ष आमंत्रित किए गए। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रांत संगठन मंत्री श्री तपन कुमार जी ने सभी को छात्रसंसद की महत्ता से अवगत कराया। इसके बाद उपस्थित भैया/बहिनों के साथ छात्रसंसद का गठन किया गया। इस अवसर पर आए मेरठ के लोक सभा के सांसद श्री राजेन्द्र अग्रवाल ने भी सदन के अनुभवों से संसदीय प्रणाली की प्रक्रिया भैया/बहिनों को समझाया। राज्य सभा सांसद श्री विजयपाल सिंह तोमर ने भैया/बहिनों की संसद संचालन प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप में देखा तथा भैया/बहिनों का उत्साहवर्द्धन किया।

समापन के अवसर पर श्री डोमेश्वर साहू जी (क्षे. संग. मंत्री) ने संसद के माध्यम से विद्यालयों में उनकी व्यवस्थाओं को सही करने का आह्वान किया। वर्तमान परिस्थिति में जागरूक भैया/बहिनों के सद्गुणों को धारण कर राष्ट्रधर्म व सामाजिक कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा दी। विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप बेतकेकर जी ने नेतृत्वकर्ता के गुणों का विश्लेषण कर सभी को अच्छा नेता बनने का संदेश दिया।

कैरम में प्रथम स्थान प्राप्त किया

विद्या भारती हरियाणा प्रांत द्वारा 05 से 07 अगस्त 2019 को रोहतक में आयोजित 32वीं प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत गीता विद्या मंदिर, मोहन नगर की कैरम-बोर्ड टीम ने कैरम बोर्ड खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति की सदस्या व शिक्षाविद् श्रीमती दीपिका क्वात्रा एवं सदस्य श्री राकेश मेहता जी ने विजेता छात्रों को बधाई देते हुए सम्मानित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्री यशपाल वधवा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए खेलों के महत्त्व के बारे में बताया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिवार एवं विजेता खिलाड़ियों के माता-पिता भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत हुआ वृक्षारोपण

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, प्रयाग में दिनांक 29 जुलाई 2019 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के सम्मानित सदस्यों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद दूबे व श्रीमती शेफाली उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में पर्यावरण की सुरक्षा एवं सुंदरता को बनाए रखने के लिए नाटक मंचन के माध्यम से छात्रों को जागरुक एवं प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि हमारा पर्यावरण सुरक्षित एवं व्यवस्थित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे अन्यथा हमारा जीवन विषादग्रस्त होगा।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगल किशोर जी मिश्र ने छात्रों से कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल छात्रों का उत्साहवर्धन होता है बल्कि उनके जीवन में पर्यावरण के प्रति लगाव और जिम्मेदारी का अहसास विकसित होता है।

विद्या भारती का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता का विकास करना - श्री अवनीश भटनागर

विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत द्वारा पुष्कर रोड स्थित आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय, अजमेर में दिनांक 22 जुलाई 2019 को प्रचार प्रमुखों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों का उद्देश्य शिक्षा का व्यापार करना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता का विकास करते हुए राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पित विद्यार्थियों का निर्माण करना है। शिक्षा के साथ-साथ विद्या भारती के आधारभूत विषयों - शारीरिक शिक्षा, योग शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा व नैतिक एवं अध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वागीण विकास करना है। कार्यशाला में प्रांत के बारह जिलों के तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिन्हें सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया का उपयोग किस प्रकार किया जाए, इसका प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सरस्वती शिशु मंदिर की मेधावी का छात्रा का किया सम्मान

सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वतीपुरम, पहाड़िया रोड, जावरा (म.प्र.) की छात्रा सुश्री आंचल को प्रदेश के विधान सभा परिसर, भोपाल में आयोजित स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप-2019 सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, उच्च शिक्षा मंत्री जीतू पटवारी, जनसंपर्क मंत्री पी.सी. शर्मा भी उपस्थित रहे। छात्रा को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप-2019 सम्मान के तहत जिले में बोर्ड परीक्षा परिणाम में प्रथम एवं राज्य स्तर पर 9वां स्थान प्राप्त करने पर 50,000 रुपये का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जल संरक्षण जागरूकता अभियान

वर्तमान समय में पूरा देश जल संकट का सामना कर रहा है। इसके लिए भारत सरकार व विभिन्न संगठनों के माध्यम से जल संरक्षण, संचयन व पुन: भरण के लिए पूरे देश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकारों के माध्यम से भारत सरकार के संयुक्त सचिव एवं अतिरिक्त सचिव स्तर के 255 आई.ए.एस. अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।

इस अभियान के संचालन हेतु गुवाहाटी के बिहारवाड़ी स्थित सी.आर.पी.एफ. उत्तरपूर्व मुख्यालय, उत्तरपूर्वी क्षेत्रीय मुख्यालय, समूह मुख्यालय एवं विद्या भारती के शंकरदेव विद्या निकेतन, बेतकुची, असम के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से वहाँ के युवाओं, नागरिकों व बच्चों को जल संरक्षण का महत्त्वपूर्ण संदेश दिया गया। इस जागरूकता रैली में बयासी छात्र, सात आचार्य एवं सी.आर.पी.एफ. के सतसठ जवान व चार पदाधिकारी शामिल हुए।

इसी अभियान के तहत सी.आर.पी.एफ. के जवानों एवं पदाधिकारियों के सहयोग से एक संवाद कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें ग्रूप कमांडेन्ट श्री हरेन्द्र नारायण ने छात्रों, आचार्यों एवं उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए उन्हें जल संरक्षण के विभिन्न माध्यमों से अवगत कराया। उन्होंने देशभर में व्याप्त जल की समस्या की गंभीरता बताते हुए छात्रों को जल संरक्षण के लिए संकल्प दिलाया। उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इस संवादशाला में विद्या निकेतन के तीन सौ छात्र, सोलह आचार्य/आचार्या व सी.आर.पी.एफ. के 21 जवान उपस्थित रहे। इसके लिए सी.आर.पी.एफ. के पदाधिकारियों ने शंकरदेव विद्या निकेतन के कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता को आयोजित कराने का उद्देश्य बच्चों के मन में जल संरक्षण के प्रति चेतना का विकास करना है।

श्री गुरुनानक देव जी की वाणी सारे विश्व में पहुँचाने की जरूरत है

- डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री

"जिस समय गुरुनानक देव जी का जन्म हुआ उस समय अपना देश विदेशी आक्रांताओं के आक्रमणों से त्राहि-त्राहि कर रहा था। दिल्ली की गद्दी पर बाबर का अधिकार हो चुका था। इसके पूर्व अफगान, तुर्क, मंगोल आदि विदेशियों ने देश के विभिन्न भागों पर अधिकार कर लिया था। दिल्ली पर तो विदेशियों का अधिकार बाद में हुआ, सबसे पहले इन आक्रमणकारियों से युद्ध करने वाले देश के उत्तर पश्चिमी सीमा पर स्थित पंजाब के ही निवासी थे। इस कारण पंजाब पर इन आक्रमणों का दुष्प्रभाव बहुत अधिक पड़ा। अरब के सैयद भारी संख्या में धर्म परिवर्तन करा रहे थे। इन परिस्थितियों में भी श्री नानकदेव जी बिना भयभीत हुए उन्होंने तो तत्कालीन सत्ताधारियों को ललकारा और सामान्य जनता का हौंसला बढ़ाया। अब वह समय आ चुका है जब हम सबको मिलकर विश्व के कोने-कोने तक श्री गुरुनानक देव जी के संदेशों को पहुँचाना है" यह भावपूर्ण कथन केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के उपकुलपति डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री ने 'सर्वहितकारी शिक्षा समिति' की साधारण सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। ज्ञातव्य हो कि इस साधारण सभा की बैठक में पूरे पंजाब प्रांत के 124 विद्यालयों के 146 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में वर्ष भर की गतिविधियाँ और वार्षिक वजट प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी प्रतिभागियों ने ध्वनिमत से पारित किया।

रब्ब दा पता किते होर दा, पर बसदा किते होर

- हंसराज हंस

पंजाब के प्रसिद्ध सूफी गायक हंसराज हंस जो दिल्ली के एक लोक सभा क्षेत्र से नव निर्वाचित सांसद भी हैं, ने अपने मधुर गीतों से भक्ति का समां बांध दिया। उन्होंने कहा, "अपने जीवन में अभी तक मैं शांति की खोज में यूँ ही भटकता रहा", परन्तु यहाँ आकर पता चला "रब्ब दा पता किते होर दा पर बसदा किते होर।" यहाँ आकर ही पता चला कि यहाँ पर असली समाज, देश व धर्म की सेवा की शिक्षा दी जाती है।

इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टेट व नेशनल अवार्डी शिक्षकों के द्वारा किए गए प्रयोगों पर आधारित पुस्तक "पंजाब जेम्स नेशनल/स्टेट अवार्डीज" का श्री विमोचन किया गया। सभा में विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष श्री अशोक पाल जी, उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जी अत्री, महामंत्री श्री देशराज जी शर्मा और सह संगठन मंत्री श्री बालकिशन जी के अतिरिक्त पंजाब के कोने-कोने से सम्माननीय सदस्यों ने भाग लिया।

जो कश्मीर हमारा है वह सारे का सारा हमारा है

- विजय नड्डा

"पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में कुछ बड़ा होनेवाला है। बाबा अमरनाथ की यात्रा को रोक देना भी इसी बात का संदेश दे रहा था। देश के सभी इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया पर यही चर्चा थी कि जम्मू कश्मीर में कुछ बड़ा होने वाला है। सभी के मन में भारी जिज्ञासा थी कि क्या होने वाला है? यह जिज्ञासा तब शांत हुई जब भारत सरकार के गृहमंत्री ने दिनांक 05 अगस्त 2019 को घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर से धारा-370 समाप्त की जाती है और इसी के साथ ही लद्दाख को अलग से केन्द्र शासित प्रदेश बनाया जाता है। यह निर्णय एक सौ पैंतीस करोड़ देशवासियों की भावनाओं के अनुरूप ही है। पिछले 70 वर्षों में अनगिनत बलिदान इस अप्रासंगिक धारा के कारण हुए हैं। आज करोड़ों देशवासियों की एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय इच्छा पूर्ण हुई है। मैं इस अपार राष्ट्रीय प्रसन्नता के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं और सभी देशवासियों को बधाई देता हूँ।" ये भावपूर्ण उद्बोधन सर्वहितकारी शिक्षा समिति के मुख्यालय विद्याधाम में उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा जी ने इस निर्णय की घोषणा के तुरंत बाद बुलाई गई कार्यकर्ताओं की एक बैठक में व्यक्त किए। भारत में इतना बड़ा कुछ होगा इसकी तो कल्पना भी नहीं थी।

कार्यकर्ताओं का उत्साह और प्रसन्नता इस सीमा तक था कि सभी ने एक-दूसरे को अपने-अपने हाथों से मिठाई खिलाई।

उपरोक्त बैठक में ही स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री सतीश जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि "वर्तमान श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार का यह निर्णय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। यह कदम वही उठा सकता है जिसके अन्दर राजनैतिक इच्छा शक्ति के साथ-साथ राष्ट्रीय इच्छा शक्ति भी कूट-कूट कर भरी हो। जो राष्ट्र की आवश्यकताओं को भली-भांति समझता हो। वर्तमान सरकार का यह निर्णय न केवल भारत बल्कि विश्व की परिस्थिति को भी बदल डालेगा। उन्होंने कहा कि इस साहसिक कदम से वास्तव में जम्मू-कश्मीर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होगा। इस कदम से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर भी लगाम लगेगा। अनेक भावपूर्ण संस्मरण सुनाते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के साये में लोग किस प्रकार से जीते हैं, यह मैंने अपनी आँखों से देखा और अनुभव किया है। इस आतंकवाद के खात्मे के लिए धारा-370 का हटाया जाना अति आवश्यक व महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।" ज्ञातव्य हो कि श्री सतीश जी सन् 1998 से 2002 तक जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक रहे हैं। इस पर अतीव प्रसन्नता साझा करते हुए श्री विजय नड्डा ने दिनांक 05 अगस्त 2019 को पंजाब प्रांत के 124 विद्या मंदिरों में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि देश के करोड़ों लोगों की चिरप्रतीक्षित इच्छा सरकार के इस साहसिक निर्णय से पूर्ण हुई है। अतः इस निर्णय के सम्बंध में छात्र-छात्राओं को विस्तार से बताया जाए।

हम जो अच्छा कार्य कर रहे हैं, वह दुनियाँ के सामने जाए, समाज को पता चले

- श्री अवनीश भटनागर

विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर प्रान्त द्वारा एक दिवसीय प्रान्तीय प्रचार विभाग कार्यशाला दिनांक 20 जुलाई 2019 को 'श्रुतम्' आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक, केशव परिसर, कमला नेहरू नगर, जोधपुर में आयोजित हुई। कार्यशाला में जोधपुर प्रान्त के 13 जिलों से जिला प्रचार प्रमुख, जिला संवाददाता एवं जिला सोशल मिडिया प्रमुख ने सहभागिता की।

विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के प्रचार प्रमुख ओमप्रकाश गौड़ ने इस प्रचार विभाग की कार्यशाला की भूमिका रखी। उद्घाटन में राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश भटनागर ने विद्या भारती में आज 'प्रचार की आवश्यकता और करणीय कार्य' के बारे में कहा कि हम जो कार्य कर रहे हैं, वह दुनियाँ के सामने जाए, समाज को पता चले और सत्य का प्रचार-प्रसार हो। हमारे द्वारा भेजा जाने वाला समाचार प्रमाणिक और तथ्यात्मक हो। ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, बालिका शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण का विषय प्रचारित हो। जो लोग सोशल मिडिया पर सक्रिय हैं, उन्हें सूचीबद्ध कर जोड़ने का प्रयास हो। हमारा वैचारिक और सैद्धांतिक भाव समाज तक पहुँचे।

कार्यशाला में जोधपुर प्रान्त के प्रचार प्रमुख (रा. स्व. संघ) श्री पंकज कुमार ने प्रिन्ट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बारे में कहा कि मीडिया का स्वरूप सोशल मीडिया के आने से बदला है। आज संवाद के क्षेत्र में पहले से काफी सुधार हुआ है। आज सूचनाएँ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से क्षेत्र में पहले पहुँच जाती है।

इसी कार्यशाला में श्री सुनील बिश्नोई ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स का उपयोग अपने कार्य में कितना, किस प्रकार और किन सावधानियों के साथ करना, के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति सोशल मीडिया से किसी न किसी प्रकार से जुड़ा है। चाहे व्हाटस एप्प, फेसबुक, ट्वीटर, इन्सटाग्राम आदि। उन्होंने आगे कहा कि एक मिनट का विडियो 1000 शब्द के लेख से अधिक प्रभावी होता है। आज कम समय में बहुत थोड़े शब्दों में चित्र सहित हमारी बात विश्व के कोने-कोने तक पहुँच सकती है। नई तकनीक समाज को तेजी से बदलने का सामर्थ्य रखती है।

प्रचार विभाग से सम्बन्धित सभी की जिज्ञासाओं का समाधान कर बताया गया कि हमारा विचार, अच्छा काम समाज तक पहुँचाना, मीडिया को जोड़ना, सम्पर्क व संवाद करना हमारा कार्य है। अपने कार्य को प्रभावी बनाने के लिए समाज में Opinion Makers से सम्पर्क कर Academia, Intelligentia & Religion based institutions (RBI), Spirituality based institutions (SBI) and Caste based institutions (CBI) के बारे में बताया।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के प्रारूप पर विचार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 का प्रारूप केन्द्र सरकार द्वारा इस कार्य के लिए चयनित समिति के अध्यक्ष पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत कर दिया गया है। इसके लिए सत्य प्रकाश लक्ष्मी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, हसनपुर (मेरठ) में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस विचार गोष्ठी में नई शिक्षा नीति के मुख्य बिन्दुओं जैसे संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास, 03 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को प्री प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क शिक्षा, ECCR एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों को विद्यालय से जोड़ना, स्कूल कांप्लेक्स का निर्माण, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय तीनों में समन्वय समिति बनाकर शिक्षा से जोड़ना। इसके अतिरिक्त 'पियर लर्निंग प्रोग्राम' (PLP), 'नेशनल ट्यूटर्स प्रोग्राम' (NTP)] 'रेमेडियल इंस्ट्रक्सन ऐड्स प्रोग्राम' (RIAP), ड्रॉपआउट बच्चों को पुन: शिक्षा से जोड़ना, बच्चों के स्कूल वस्ते का वजन कम करना, बच्चों के लिए त्रिभाषा फॉर्मूला, मिडडे मील के साथ सुबह का नाश्ता भी विद्यालय में देना, एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज, को-क्यूरीकुलर एक्टिविटीज एवं कौशल विकास को शिक्षाक्रम से जोड़ना आदि सभी बातों की इस गोष्ठी में प्रशंसा की गई। सभी का यह मत था कि यदि सरकार इस शिक्षा नीति को लागू करती है तो यह देश के बढ़ते विकासात्मक आवश्यकताओं में अपना योगदान देने में सक्षम होगी और एक न्याय संगत और निष्पक्ष समाज बनाने की दिशा में योगदान देगी।

इस गोष्ठी में जिले के 30 शिक्षाविद् जिनमें से 25 प्रधानाचार्य एवं पूर्व प्रधानाचार्य थे। मुख्य रूप से विद्या भारती के जिला प्रमुख अक्षि अग्रवाल सहित सभी शिक्षाविदों ने इस विषय पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

Vidya Bharati Purv Chatra Parishad, Jodhpur

" Vidya Bharati Purv Chhatra Parishad " giving back to society, has been a fundamental teaching imparted to all students in Vidya Bharati schools. Alumni of Vidya Bharati schools are involved in various community development activities for the development of society. One such story is about Shubham Shakhsariya, Himesh Tiwari and Tarun Sarda, Alumni of Naveen Adarsh Vidya Mandir Sr.Sec. Suratgarh school, Jodhpur. They are involved in feeding more than 100 needy people of government hospitals and railway station areas of Suratgarh area, every single day for the past one year.

If you are interested to join their group or support them in any manner, kindly email us at info@ vidyabharatialumni.org, we will connect.

If you are doing any social service or community development work, kindly fill out this survey https://cutt.ly/KT2aiA Your story can be an inspiration for other Alumni members to start similar work.

विद्यार्थी विज्ञान मंथन : प्रतिभा खोज परीक्षा

'विज्ञान भारती' भारत के शीर्ष वैज्ञानिकों का पूर्णत: गैर लाभकारी व विज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु भारत का सबसे बड़ा संगठन है जो विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय अभियान है। भारत सरकार के संगठनों विज्ञान प्रसार, विज्ञान भारती एवं एन.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त तत्त्वावधान में छात्रों के लिए एक विज्ञान परीक्षा का आयोजन कर रहा है। यह परीक्षा कार्यक्रम डिजिटल उपकरणों पर आधारित भारत की सबसे बड़ी प्रतिभा खोज परीक्षा - 'विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2019' होगी। इसका पंजीकरण 01 जुलाई 2019 से प्रारम्भ हो चुका है। प्रतिभा खोज परीक्षा में कक्षा 06 से 11 तक के छात्र विज्ञान संबंधी जिज्ञासाओं को पहचानने व विज्ञान के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विद्यालय स्तर से होते हुए जिला, प्रांत व राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में सहभागिता करते हैं। परीक्षा को दो वर्गों में बाँटा गया है, कक्षा 06 से 08 तक कनिष्ठ वर्ग एवं कक्षा 09 से 11 तक वरिष्ठ वर्ग। राज्य स्तरीय परीक्षा से प्रत्येक कक्षा के पहले 20 छात्रों का चयन किया जाता है जो राज्य स्तरीय कैंप में भाग लेते हैं। कैंप के माध्यम से प्रत्येक कक्षा से 02 छात्रों का चयन राष्ट्रीय कैंप के लिए किया जाता है। जिससें लिखित, प्रायोगिक व मौखिक गतिविधियों के आधार पर छात्रों का चयन किया जाता है। इस परीक्षा का 50 प्रतिशत भाग विज्ञान के क्षेत्र में भारत के योगदान एवं भारत के महान वैज्ञानिकों के गौरवशाली इतिहास से परिचय कराने से संबद्ध होंगे। इस वर्ष दो वैज्ञानिकों 'डॉ. जगदीश चन्द्र बसु' तथा 'जानकी अम्माल' के जीवन पर आधारित होगी।

भारत सरकार के डिजिटल इण्डिया अभियान से प्रेरित इस परीक्षा को छात्र अपने मोबाइल, लैपटॉप एवं टैबलेट आदि उपकरणों द्वारा ऑन लाईन देते हैं। छात्रों का पंजीकरण www.vvm.org.in पर जाकर किया जा सकता है।

परीक्षा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2019 है। विद्यालय स्तर पर यह प्रतियोगिता 24 या 30 नवंबर तक सम्पन्न होना है। जिसका परिणाम 15 दिसंबर 2019 को घोषित किया जाएगा। प्रदेश स्तर पर यह परीक्षा दिनांक 05, 12 एवं 19 जनवरी 2020 में से किसी एक दिन होगी एवं राष्ट्रीय शिविर 16-17 मई 2020 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी के लिए दूरभाष संख्या-9454136478 पर संपर्क किया जा सकता है।

डॉ. बजरंगी झा,
राज्य समन्वयक, विद्यार्थी विज्ञान मंथन, गोरखपुर।

प्रांतीय कन्या भारती कार्यशाला का आयोजन

लोक शिक्षा समिति, बिहार के तत्वावधान में स्थानीय महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, माधवनगर, सीवान में दिनांक 11 जुलाई से 13 जुलाई 2019 तक कन्या भारती कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला के आयोजन में प्रांत के तैंतीस विद्यालयों से एक सौ उनचास बहनें, सात पुरूष आचार्य तथा तैंतीस आचार्या शामिल हुई।

प्रदेश सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा ने उद्घाटन के पश्चात कार्यशाला की प्रस्तावना रखी। इस कार्यशाला को अ.भा. बालिका शिक्षा सह संयोजिका सुश्री प्रमिला शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रांतीय बालिका शिक्षा प्रमुख श्रीमती शर्मिला कुमारी ने कन्या भारती के स्वरूप एवं कार्य पर चर्चा करते हुए सभी बहनों के लिए दायित्त्व विभाजन किया। क्षेत्रीय संयोजिका श्रीमती कीर्ति रश्मि ने ''हमारे हिन्दू रीति-रिवाजों का वैज्ञानिक महत्व'' विषय पर चर्चा किया।

अगले दिन सुश्री प्रमिला शर्मा ने गीता में वर्णित ''नारी के सद्गुणों'' विषय पर विस्तृत चर्चा की एवं बहनों के बीच आशुवाचन प्रतियोगिता कराया जो कि अत्यंत ही प्रभावी रहा। अगले सत्र में बहनों के बीच 'रंगोली, सिलाई-कढ़ाई, राखी निर्माण, आरती थाल सज्जा एवं कबाड़ से जुगाड़' प्रतियोगिता कराई गई। रात्रि सत्र में कन्या सभा का आयोजन किया गया, जिसका संपूर्ण संचालन बहनों ने ही किया। समापन के दिन श्रीमती कीर्ति रश्मि ने बहनों की दिनचर्या, स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। सुश्री प्रमिला शर्मा ने पाथेय के रूप में आह्वान किया कि एक-एक बहन को तेजस्वी बालिका के रूप में विकसित होना है, जिनके द्वारा एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सके।

प्रांतीय शिशुवाटिका आचार्यों हेतु कार्यशाला

विद्या भारती आंध्रप्रदेश के निर्देशन में भारतीय विद्या केन्द्रम के विशालाक्षी नगर स्थित बी.वी.के. उन्नत पाठशाला में 19 जुलाई 2019 को प्रांत के शिशुवाटिका आचार्यों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में आंध्रप्रदेश एवं केरल प्रांत के विभिन्न जिलों से शिशुवाटिका आचार्य एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

'शिशुओं में विविध क्षमताओं के विकास' विषय पर अरुण कक्षा के शिशुओं के द्वारा उनके अभिभावकों के समक्ष क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया गया। जिसके द्वारा अभिभावकों को भी प्रत्यक्ष रूप से शिशुओं के विकास की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त हुई।

गर्भावस्था से ही शिशु के समग्र विकास में परिवार का वातावरण, परिवार के सदस्यों की मानसिक स्थिति कैसी होनी चाहिए, घर का वातावरण कैसा होना चाहिए, माता-पिता की भूमिका गर्भस्थ शिशु पर कैसा प्रभाव छोड़ती है, इस विषय को गर्भवती महिलाओं के जागरूकता कार्यक्रम द्वारा स्पष्ट किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख आयुर्वेदाचार्य श्री रमणराव ने गर्भवती महिलाओं को मासानुसार शिशु विकास प्रक्रिया, आहार-विहार एवं उनके शारीरिक, मानसिक परिवर्तन की जानकारी दी। साथ ही बरतने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया। इसके साथ ही एक वर्ष से कम उम्र के शिशुओं की माताओं का सम्मेलन भी किया गया। कार्यशाला के अंत में 5 वर्ष से कम उम्र के शिशुओं के विकास में दादा-दादी, नाना-नानी की भूमिका को स्पष्ट करते हुए शिशुओं में सद्गुणों के विकास में इनकी भूमिका के बारे में बताया गया।

कार्यशाला में शिशुवाटिका से संबन्धित 12 शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए विद्या भारती से संबन्धित अन्य पाठशालाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विशेषत: नगरीय, ग्रामीण एवं वनवासी जीवनशैली से संबन्धित चित्रों को भी प्रदर्शित गया।

कार्यक्रम में विद्या भारती के अ. भा. कार्यकारिणी सदस्य प्रो. एन. राजलक्ष्मी, श्री एन.सी.टी. राजगोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह कार्यशाला श्री कोवेल श्रीनिवासाचार्यालु (क्षे. शिशुवाटिका प्रमुख) एवं श्री वी. कृष्णमोहन जी (सह शैक्षणिक प्रमुख) की देख-रेख में सम्पन्न हुई।

आचार्य सम्मेलन में पाठ योजना एवं प्रश्न निर्माण पर हुई चर्चा

जोधपुर के जिला पाली (राज.) स्थित सरस्वती शिशु मन्दिर में सरस्वती शिक्षा समिति के अधीन चलने वाले विद्या मन्दिरों के आचार्य-आचार्याओं का तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 11 अगस्त 2019 को हुआ। जिसके उद्घाटन में प्रान्त की बालिका शिक्षा प्रमुख श्रीमती प्रमिता अरोड़ा मुख्य अतिथि तथा ताड़केश्वर रामेश्वर सरस्वती बालिका विद्यालय की व्यवस्थापिका श्रीमती कमला शर्मा उपस्थित रहीं।

उद्धाटन के पश्चात् विभिन्न व्यवस्थाओं के सन्दर्भ में चर्चा गोष्ठीयाँ आयोजित की गयी जिसमें उत्सव-जयन्ती, शनिवारीय सभा, वन्दना, परीक्षा, भ्रमण, पुस्तकालय-वाचनालय आदि विषय प्रमुख रहे। अन्य चार सत्रों में पंचपदी शिक्षण पद्धति पर आधारित आदर्श पाठ निर्माण, प्रस्तुति, सहायक सामग्री निर्माण, ज्ञान-अवबोध, अभिव्यक्ति एवं कौशल से सम्बन्धित प्रश्नों के निर्माण में प्रमुख विषय विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया।

यह तीन दिवसीय आचार्य सम्मेलन विद्या भारती जोधपुर प्रान्त निरीक्षक गंगाविष्णु के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

Purv Chhatra Navdeep Saini - Alumni of Gita Vidya Mandir, Taraori (Karnal), Haryana has played his debut for India against West Indies in 20-20 Cricket in 2019. Navdeep Saini has been Man of the Match in his first match. Congratulations to all Vidya Bharti Pariwar.

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 August, 2019

पाश्चात्य संस्कृति को हटा सकती है बालिका शिक्षा - श्री भगवान सिंह पँवार

"भारत देश महान है, इसमें मातृ-शक्ति का सबसे बड़ा योगदान है। युद्ध के मैदान में नारी अपने पति को विजय तिलक लगाकर खुशी-खुशी विदा करती है। देश में वीरांगनाओं की देशभक्ति सदैव स्मरणीय रहती है। जैसे-झाँसी की रानी, पन्नाधाय, सीता, सावित्री आदि महान नारी शक्ति की भूमिका रही। साथ ही पन्नाधाय की स्वामीभक्ति का अनुपम उदाहरण देते हुए बताया कि पन्नाधाय ने अपने पुत्र को दे दिया। देश में भारतीय संस्कृति को अपने परिवार में प्रत्यक्ष रूप में देखने को मिलता है तो यह भारतीय नारी के कारण है। परिवार में देव पूजा, पारिवारिक वातावरण, पहली रोटी गाय को, भगवान को भोग लगाना, सूर्य को अर्घ देना, तुलसी पूजा, बड़ों का सम्मान, यह सब यदि देखने को मिलता है तो इसमें भारतीय नारी की भूमिका रहती है।" उपरोक्त विचार श्री भगवान सिंह पँवार ने प्रांतीय बालिका शिक्षा की बैठक में वयक्त किए। ज्ञातव्य हो कि यह बैठक 10 अगस्त से 12 अगस्त 2019 तक बाबा साहेब नातू प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र देवास (म.प्र.) में आयोजित हुई।

भीनमाल में जिला स्तरीय आचार्य सम्मेलन सम्पन्न

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय भीनमाल में आयेजित जालोर जिले का आचार्य सम्मेलन 26 जुलाई से 28 जुलाई 2019 को सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए संगठन मंत्री श्री शिव प्रसाद ने कहा कि अध्यापक छात्र का निमार्णकर्त्ता नहीं, सृजनकर्त्ता हैं। आचार्य ही बालक का सृजन कर श्रेष्ठ गुणों को भर सकता है। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों में परोपकार का भाव भरना चाहिए। भारत में शिक्षा का इतिहास प्राचीन है। भारत संस्कृति व सभ्यता वाला देश है। शिक्षा का अर्थ अन्तर्निहित भावों का प्रकटीकरण है। शिक्षा का उद्देश्य एक परिपूर्ण मानव का विकास करना है। आज शिक्षकों को यह चिंतन की आवश्यकता है कि क्या हम श्रेष्ठ मानव का विकास कर रहे हैं। कक्षा में बैठे हुए बालक के सभी भावों को समझना शिक्षक की जिम्मेदारी है। शिक्षक को सभी बालकों के प्रति समान भावना रखनी चाहिए। अभिभावकों को घर पर शिक्षा व संस्कार के प्रति पूरा ध्यान रखना चाहिए।

जिला सचिव अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि समय पालन मनुष्य का सबसे बड़ा गुण होना चाहिए। समय की महत्ता को समझने वाला मनुष्य सदैव आगे बढ़ता है। प्रशिक्षण में जिले से 350 आचार्यों ने भाग लिया है। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ. श्रवणकुमार मोदी ने कहा कि सभी प्राणियों की विशेषताएँ अलग-अलग होती है। मनुष्य की अपनी विशेष प्रवृत्ति होती है। मनुष्य अपने संस्कारों के बल पर विकास कर सकता है। शिक्षक को पढ़ाई के साथ संस्कार भी बालकों को देना चाहिए। प्रत्येक बालक में प्रतिभा होती है। प्रतिभा को पहचानने का काम शिक्षक का होता है। बालकों में सकारात्क भाव भरना चाहिए। वर्तमान समय में शिक्षकों को शिक्षा में नवाचार करना चाहिए। शिक्षा में आधुनिक पद्धति को अपनाने की आवश्यकता है। समापन सत्र में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले आचार्यों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

आप सभी को विद्या भारती परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013